[This question paper contains 4 printed pages.]

'1067 *Your Roll No.* .....

आपका अनुक्रमांक _____

B.A. (Hons.)/III **J**

PHILOSOPHY – Paper-VI

(Texts of Indian Philosophy)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 75*

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 75*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any **two** *questions from section* **A,** **two** *from section* **B** *and* **one** *short note each from Q. No.* **5** *and* **10.** *Q. No.* **5** *and* **10** *are compulsory.*

खण्ड 'अ' से कोई **दो** *प्रश्न, खण्ड 'ब' से कोई* **दो** *प्रश्न तथा प्रश्न संख्या* **5** *तथा* **10** *में प्रत्येक से* **एक-एक** *टिप्पणी लिखिए। प्रश्न संख्या* **5** *तथा* **10** *अनिवार्य हैं।*

P.T.O.

SECTION A (खण्ड 'अ')

1. Write an essay on Nāgārjuna's Dialectic. Do you think Nāgārjuna has advanced any thesis of his own. (15)

   नागार्जुन की 'प्रसंग पद्धति' पर एक निबन्ध लिखिए। क्या आप समझते हैं कि नागार्जुन का अपना कोई मत है ?

2. How does Mādhyamika Buddhism interpret *'Svabhāva'* ? In this context write an essay on Mādhyamika's understanding of *Śūnyatā*. (15)

   माध्यमिक सम्प्रदाय में किस प्रकार *'स्वभाव'* की व्याख्या की गई है ? इस संदर्भ में माध्यमिकों की *शून्यता* सम्बन्धी विचार पर एक निबन्ध लिखिए।

3. Explain the nature of *Nirvāṇa* according to the *Madhyamaka-Kārikā* of Nāgārjuna with special reference to the *quadrilemma* (*catuṣkoṭi*). (15)

   नागार्जुन की मध्यमक-कारिका के अनुसार *निर्वाण* के स्वरूप की *चतुष्कोटि* के विशेष संदर्भ में व्याख्या कीजिए।

4. Discuss Nāgārjuna's view of causality and his critique of *Svataḥ Utpatti* and *Parataḥ Utpatti*. (15)

   नागार्जुन के कारणता संबंधी मत और उनके द्वारा स्वतः उत्पत्ति और परतः उत्पत्ति की आलोचना का विवेचन कीजिए।

5. Write short notes on any **one**:

(a) Samvṛtti Satya and Pāramārthika Satya

(b) The Silence of the Buddha on metaphysical questions

(c) Pratītyasamutpada (7½)

किसी **एक** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

(क) संवृत्ति सत्य और पारमार्थिक सत्य

(ख) तत्त्वमीमांसीय प्रश्नों पर बुद्ध का मौन

(ग) प्रतीत्यसमुत्पाद

SECTION B (खण्ड 'ब')

6. Define Perception. Explain the nature and role of *antaḥkaraṇavṛtti* in Perceptual process according to the *Vedānta Paribhāṣā*. (15)

'प्रत्यक्ष' की परिभाषा कीजिए। वेदान्त परिभाषा के अनुसार प्रत्यक्ष की प्रक्रिया में *अन्तःकरणवृत्ति* की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

7. Expound the nature and importance of Verbal Testimony (*āgama-pramāṇa*) and discuss four conditions necessary for a meaningful sentence. (15)

P.T.O.

आगम-प्रमाण के स्वरूप और महत्त्व की व्याख्या कीजिए और सार्थक वाक्य की चार अनिवार्य दशाओं का विवेचन कीजिए।

8. Elucidate the meaning and significance of '*Tat tvam asi*' as discussed in the *Vedānta Paribhāṣā*. (15)

वेदान्त परिभाषा में विवेचित '*तत् त्वम् असि*' के अभिप्राय और महत्त्व की व्याख्या कीजिए।

9. Mokṣa or the fruit in the *Vedānta Paribhāṣā* is "the attainment of the already attained and the removal of the already removed." Explain. (15)

वेदान्त परिभाषा में मोक्ष या प्रयोजन "प्राप्त प्राप्ति एवं परिहृत परिहार" है। व्याख्या कीजिए।

10. Write short note on any **one**:

(a) Non-apprehension

(b) Inference

(c) Presumption (7½)

किसी **एक** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

(क) अनुपलब्धि

(ख) अनुमान

(ग) अर्थापत्ति